हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

निर्भीक, निष्पक्ष, सच का प्रवाह

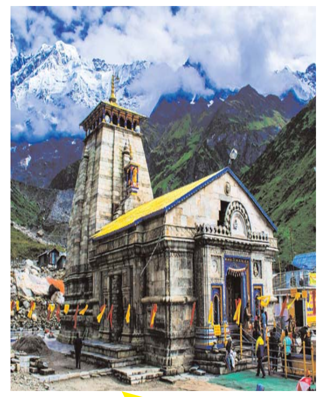

वर्षः5 अंकः165 पृष्ठः08 मुल्यः1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, रविवार, 21 जून 2026

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त से उत्तराखंड के 8 लाख से अधिक किसानों को मिला लाभः मुख्यमंत्री धामी

पथ प्रवाह, देहरादून।

प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस के अवसर पर हिमालय सांस्कृतिक केंद्र, गढ़ी कैंट देहरादून में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त जारी किए जाने के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल से देशभर के किसानों के लिए डीबीटी के माध्यम से जारी की गई किसान सम्मान निधि की किस्त का वर्चुअल माध्यम से प्रसारण देखा। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, विधायक सविता कपूर सहित बड़ी संख्या में प्रदेशभर से आए किसान, कृषि क्षेत्र से जुड़े लोग एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी होने पर प्रदेश के सभी अन्नदाता भाई-बहनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह अवसर किसानों के सम्मान, समृद्धि और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से देशभर के करोड़ों किसानों को आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में पारदर्शी तरीके से पहुंचाई जा रही है।

उन्होंने बताया कि आज देशभर में लगभग 10 करोड़ किसानों को 18 हजार 880 करोड़ रुपये की धनराशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई है। इसके अंतर्गत उत्तराखंड के भी 8 लाख से अधिक किसानों को 159 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2019 में जब इस योजना की शुरुआत हुई थी, तब उत्तराखंड में लगभग 4 लाख किसान इससे लाभान्वित हो रहे थे, जो आज बढ़कर 8 लाख से अधिक हो चुके हैं। यह किसानों के डबल इंजन सरकार पर बढ़ते विश्वास का प्रतीक है और दर्शाता है कि योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा सीमाओं पर तैनात जवानों से सुनिश्चित होती है, वहीं देश की खाद्य सुरक्षा खेतों में मेहनत करने वाले किसानों के परिश्रम से मजबूत होती है। किसान केवल फसल नहीं उगाता, बल्कि राष्ट्र के भविष्य को संवारने का कार्य करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने किसानों के सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के माध्यम से प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान की भरपाई में सहायता दी जा रही है, वहीं मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना से किसानों को मिट्टी की गुणवत्ता की जानकारी उपलब्ध कराकर उत्पादन बढ़ाने में सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती, आधुनिक कृषि तकनीक, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से खेती को अधिक लाभकारी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार भी किसानों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी दिशा में राज्य में नहरों से सिंचाई को पूरी तरह निशुल्क करने का निर्णय लिया गया है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए बजट में 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में लगभग 115 करोड़ रुपये के निवेश से 350 से अधिक आधुनिक पॉलीहाउस तैयार किए जा चुके हैं, जिससे किसानों को बेहतर उत्पादन और आय वृद्धि में सहायता मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में खेती काफी हद तक वर्षा पर निर्भर रहती है। इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए 1000 करोड़ रुपये की लागत से 'उत्तराखंड क्लाइमेट रिस्पॉन्सिव रेन-फेड फार्मिंग प्रोजेक्ट' को मंजूरी दी गई है, जिससे बदलते मौसम के बीच भी खेती को सुरक्षित बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि फल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नई सेब नीति, कीवी नीति, ड्रैगन फ्रूट नीति और स्टेट मिलेट मिशन जैसी योजनाएं लागू की गई हैं। इन योजनाओं के तहत किसानों को 80 प्रतिशत तक सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि किसानों की फसलों को सुरक्षित रखने और उन्हें बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए कोल्ड चेन, कोल्ड स्टोरेज, सीए स्टोरेज और मेगा फूड पार्क जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को सगंध खेती के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए 'महक क्रांति' नीति लागू की गई है। इसके तहत राज्य में 7 एरोमा वैली विकसित की जा रही हैं और 23 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सुगंधित पौधों की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड के माध्यम से उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों और मिलेट को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट नीति और ईमानदार नीयत के कारण उत्तराखंड ने किसानों की आय वृद्धि के क्षेत्र में पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि प्रदेश के प्रत्येक किसान भाई-बहन के परिश्रम और योगदान का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार किसानों को केवल योजनाओं तक सीमित नहीं रख रही, बल्कि योजनाओं का लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य कर रही है। किसान राष्ट्र के गौरव हैं और सरकार उनकी समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के किसानों से आह्वान किया कि वे पारंपरिक खेती के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों, वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा विकसित उत्तराखंड के संकल्प को पूरा करने में सहभागी बनें।

एक नजर

गुजरात बना डॉल्फिनों का नया सुरक्षित आश्रय, समुद्र में 680 से अधिक डॉल्फिन दर्ज

अहमदाबाद। वन एवं पर्यावरण मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने कहा है कि वन्यजीवों के साथ-साथ सबसे सुंदर एवं आकर्षक जलचर जीव 'डॉल्फिन' के संरक्षण-संवर्धन में गुजरात ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में जलचर एवं वन्यजीव संरक्षण तथा संवर्धन के विशेष प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष 2025 की अंतिम गणना के अनुसार गुजरात के 4,087 वर्ग किलोमीटर में फैले समुद्री क्षेत्र में लगभग 680 से अधिक डॉल्फिन दर्ज हुई हैं। वहीं जलचर एवं वन्यजीव पर्यटन क्षेत्र में भी गुजरात ने लंबी छलांग लगाई है। गुजरात के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों शिवराजपुर तथा पोशित्रा का समुद्र तट डॉल्फिन के लिए 'बेस्ट स्पॉट' के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ पानी बहुत ही स्वच्छ होने के कारण डॉल्फिन सरलता से दिखाई दे जाती हैं।

मोढवाडिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सीधे मार्गदर्शन में गुजरात में वन विभाग ने पिछले 12 वर्षों में समुद्र तट पर मैंग्रोव के साथ-साथ जलचर जीवों के संरक्षण तथा उनके आवास-विकास के लिए अनेक प्रकार के संयुक्त प्रयास शुरू किए हैं। कच्छ की खाड़ी के दक्षिणी भाग में स्थित मरीन नेशनल पार्क तथा मरीन सैंक्चुरी के ओखा से नवलखी तक फैले 1,384 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सर्वाधिक 498 डॉल्फिन होने की संभावना है, जबकि कच्छ की खाड़ी के उत्तरी भाग में कच्छ वृत्त अंतर्गत 1,821 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 168, भावनगर के 494 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 10 तथा मोरबी के 388 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 4 डॉल्फिन देखी गई हैं। इस प्रकार; कच्छ की खाड़ी में स्थित भारत का यह प्रथम समुद्री राष्ट्रीय उद्यान डॉल्फिन का मुख्य घर है।

उन्होंने कहा, 'स्वस्थ इकोसिस्टम के लिए डॉल्फिन बहुत ही महत्वपूर्ण जलचर प्राणी है। समुद्री स्तनधारी प्राणियों के कुछ शीर्ष शिकारी खाद्य श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और समुद्री इकोसिस्टम में संतुलन सुनिश्चित करने में भी सहायता करते हैं। इन डॉल्फिनों को बचाने में कच्छ से भावनगर तक समुद्र में मछली पकड़ने का कार्य करने वाले मछुआरे भाइयों का योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इन सर्वग्राही प्रयासों के परिणामस्वरूप गुजरात के समुद्र तट पर दिखाई देने वाली डॉल्फिन देश-विदेश के पर्यटकों के लिए नया आकर्षण केन्द्र बनी हैं।' उन्होंने जोड़ा कि डॉल्फिन लुप्तप्राय प्रजातियों में शामिल होने के कारण उनका शिकार करना या उन्हें नुकसान पहुँचाना गैर-जमानती अपराध है।

गुजरात के समुद्री क्षेत्र में मुख्यतः इंडो-पैसिफिक हम्पबैक डॉल्फिन तथा बॉटलनोज डॉल्फिन; इन दो प्रकार की डॉल्फिन सबसे अधिक दिखाई देती हैं। हम्पबैक डॉल्फिन अधिकतर अरब सागर में पाई जाती हैं। इसे इसकी विशिष्ट कूबड़ और विस्तारित डॉर्सल फिन अर्थात् पूँछ से पहचाना जा सकता है। डॉल्फिन अपने मैत्रीपूर्ण एवं जिज्ञासु स्वभाव के लिए जानी जाती है। डॉल्फिन कई बार लहरों में उछलती-कूदती और खेलती हुई दिखाई देती है, जो पर्यटकों को अपने एक्रोबैटिक प्रदर्शन से आनंदित कर देती है।

तन, मन और आत्मा का समन्वय है योग- मुख्यमंत्री

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' की शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि योग भारत की सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है। योग ने सम्पूर्ण विश्व को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है। आज विश्व के अधिकतम देशों में करोड़ों लोग, योग को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बना रहे हैं। योग अब सीमाओं से परे सशक्त समाज का आधार एवं मानवता के कल्याण का वैश्विक माध्यम बन चुका है।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि योग के द्वारा आज दुनिया में हमारी विशिष्ट पहचान बनी है। योग के लिये दुनिया भारत की ओर देख रही है। योग ने देश व दुनिया को स्वस्थता का भी संदेश दिया है। महान ऋषि पतंजलि ने योग के माध्यम से लोगों को जीने की राह दिखाई है। योग का अभ्यास शरीर, श्वास और मन को जोड़ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नही, बल्कि तन, मन और आत्मा का समन्वय है। उन्होंने कहा कि नियमित योग अभ्यास तनाव कम करने, जीवन को संतुलित बनाए रखने तथा असंभव लक्ष्य को पाने में विशेष भूमिका निभाता है। योग भारत की प्राचीनतम और समृद्ध परम्परा की एक पहचान है। पूरी मनुष्यता को हमारे ऋषि-मुनियों की यह महत्वपूर्ण देन है। योग साधना के द्वारा हम शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड सदियों से योग, आध्यात्मिक साधना और ऋषि-मुनियों की तपस्थली रही है। यहां की समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा और प्राकृतिक वातावरण मानवता को स्वास्थ्य, संतुलन और सकारात्मक जीवन का संदेश देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार, उत्तराखंड को योग, आयुर्वेद, वेलनेस और प्राकृतिक चिकित्सा के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। नई योग नीति के माध्यम से योग एवं ध्यान केंद्रों को प्रोत्साहन, योग प्रशिक्षकों को सहयोग तथा योग एवं वेलनेस आधारित रोजगार के नए अवसर विकसित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से प्रतिदिन योग को अपनाने, स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने, नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने तथा योग के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के युवा योग को जनआंदोलन का स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे तथा स्वस्थ, समृद्ध और सशक्त उत्तराखंड के निर्माण में सहभागी बनेंगे।

पासपोर्ट सत्यापन में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर उत्तराखण्ड पुलिस को राष्ट्रीय सम्मान

एडीजी प्रशासन ने विदेश मंत्री से ग्रहण किया ''इंस्टिट्यूशनल परफॉरमेंस अवार्ड फॉर स्टेट पुलिस''

देहरादून। उत्तराखण्ड पुलिस को वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान पासपोर्ट आवेदनों के सत्यापन में उत्कृष्ट एवं प्रभावी कार्य निष्पादन के लिए भारत सरकार द्वारा ''इंस्टिट्यूशनल परफॉरमेंस अवार्ड फॉर स्टेट पुलिस'' से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान देशभर में पासपोर्ट आवेदनों के पुलिस सत्यापन संबंधी प्रदर्शन के आधार पर प्रदान किया गया। नई दिल्ली स्थित विदेश मंत्रालय के जवाहरलाल नेहरू भवन में शुक्रवार को आयोजित समारोह में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर द्वारा उत्तराखण्ड पुलिस की

ओर से ए. पी. अंशुमान, अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन को यह सम्मान प्रदान किया गया। पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने बताया कि यह सम्मान उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा पासपोर्ट सत्यापन प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने हेतु किए गए सतत प्रयासों का परिणाम है। मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड, पुष्कर सिंह धामी ने इस उपलब्धि के लिए उत्तराखण्ड पुलिस को बधाई देते हुए कहा कि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह उपलब्धि उसी दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सफलता का प्रतीक है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी उत्तराखण्ड पुलिस नागरिक सेवाओं के क्षेत्र में इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का गौरव बढ़ाती रहेगी।

संतों के मार्गदर्शन से आकार ले रही कुंभ-2027 की व्यवस्थाए, संतों ने दिया पूर्ण सहयोग का भरोसा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार में आगामी वर्ष आयोजित होने वाले कुंभ मेला-2027 के दिव्य एवं भव्य आयोजन को लेकर शासन-प्रशासन द्वारा संत समाज एवं अखाड़ों के साथ निरंतर संवाद स्थापित किया जा रहा है। संतों के मार्गदर्शन एवं सुझावों के अनुरूप कुंभ मेले की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी क्रम में कुंभ मेला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा विभिन्न अखाड़ों के प्रमुखों, महामंडलेश्वरों, महंतों एवं साधु-संतों से निरंतर भेंट कर मेले के सफल आयोजन को लेकर सुझाव एवं मार्गदर्शन प्राप्त किए जा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा अखाड़ों एवं संत समाज के मार्गदर्शन में कुंभ मेला-2027 के दिव्य एवं भव्य आयोजन की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। कुंभ केवल एक प्रशासनिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और संत परंपरा का विराट उत्सव है। इसी भावना के

अनुरूप कुंभ मेले की व्यवस्थाओं में संत समाज की गरिमा, सुविधाओं एवं धार्मिक परंपराओं के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

राज्य सरकार की इसी प्रतिबद्धता के तहत मेला प्रशासन के अधिकारी संत समाज के साथ निरंतर संवाद कर व्यवस्थाओं की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं। इसी क्रम में अधिकारियों द्वारा श्री निरंजनी अखाड़ा, श्री जूना अखाड़ा, श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा, श्री पंचायती अटल अखाड़ा, श्री पंचायती आनंद अखाड़ा, श्री पंच अग्नि अखाड़ा, श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़ा, श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन, श्री पंचायती उदासीन नया अखाड़ा, श्री पंचायती निर्मल अखाड़ा, श्री निर्वाणी अणि अखाड़ा, श्री दिगम्बर अणि अखाड़ा एवं श्री निर्मोही अणि अखाड़ा के प्रमुख संतों एवं पदाधिकारियों से भेंट कर कुंभ आयोजन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस दौरान अखाड़ों के प्रमुख संतों एवं पदाधिकारियों द्वारा कुंभ मेले के दौरान होने वाले अमृत स्नान, पेशवाई, अखाड़ों की आवासीय व्यवस्थाओं, यातायात प्रबंधन, सड़क एवं पुलों के निर्माण व रखरखाव, घाटों की व्यवस्थाओं, स्वच्छता, विद्युत, पेयजल, सुरक्षा तथा श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। संत समाज ने सुझाव दिया कि कुंभ मेले की आध्यात्मिक गरिमा एवं धार्मिक परंपराओं का संरक्षण करते हुए आधुनिक सुविधाओं का बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाए, जिससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव प्राप्त हो सके और कुंभ की प्राचीन परंपराएं भी अक्षुण्ण बनी रहें।

अखाड़ों के प्रमुखों एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सरकार एवं मेला प्रशासन द्वारा प्रारंभिक चरण से ही संवाद स्थापित कर सुझाव लिए जाने की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि संत समाज को साथ लेकर तैयार की जा रही व्यवस्थाओं से कुंभ मेले का आयोजन अधिक प्रभावी, सुव्यवस्थित एवं सफल होगा। संत समाज ने विश्वास व्यक्त किया कि कुंभ मेला-2027 दिव्य, भव्य, सुव्यवस्थित एवं ऐतिहासिक आयोजन के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि हरिद्वार की पावन भूमि पर आयोजित होने वाला कुंभ विश्वभर के श्रद्धालुओं और सनातन धर्मावलंबियों के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र है तथा संत समाज मेले की सफलता में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए पूर्ण रूप से सहयोग प्रदान करेगा।

एक नजर

कड़ी सुरक्षा में होगी नीट परीक्षा, प्रशासन ने लागू निषेधाज्ञा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। नगर मजिस्ट्रेट हरिद्वार, हर गिरी ने अवगत कराया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी नई दिल्ली द्वारा जारी सार्वजनिक नोटिस दिनांक 15.05.2026 के अनुसार हृश्वश्वज्ञ (त)-2026 का पुनः आयोजन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा दिनांक 21 जून, 2026 (रविवार) को दोपहर 02.00 बजे से शाम 05.15 बजे (द्बस्ज्ञ) तक जनपद हरिद्वार के नगर क्षेत्रान्तर्गत हरिद्वार स्थित परीक्षा केन्द्रों पर किया जायेगा। परीक्षा को नकल विहीन, बाधारहित, सुव्यवस्थित, निर्विघ्न एवं शांति पूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने की दृष्टि से परीक्षा केन्द्रों के आस-पास 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू किये जाने की परिहार्यता हो सकती हैं। परीक्षा निम्नवत केंद्र पीएम श्री गर्वनमैंट गर्ल्स इण्टर कालेज, निकट रेलवे फाटक ज्वालापुर हरिद्वार, पन्नालाल भल्ला म्यू0 इण्टर कालेज मायापुर हरिद्वार पर आयोजित होगी। नगर मजिस्ट्रेट हरिद्वार, हर गिरी ने अवगत कराया कि परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 (पूर्व धारा 144 द. प्र.संहिता–1973) के प्राविधानों के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये निषेधाज्ञा पारित की जाती है। उन्होंने हरिद्वार नगर क्षेत्र के उक्त परीक्षा केन्द्र के आस-पास की 200 मीटर की सीमा के अन्तर्गत जिला मजिस्ट्रेट हरिद्वार अथवा अपर जिला मजिस्ट्रेट हरिद्वार अथवा उनके पूर्वानुमति के बिना पांच या पांच से अधिक व्यक्ति समूह के रूप में एकत्रित नहीं होंगे और न ही कोई सार्वजनिक सभा करेंगे और न ही जुलूस आदि निकालेंगे। परीक्षा केन्द्र 200 मीटर की परिधि में निर्धारित मानकों से अधिक किसी भी प्रकार का ध्वनि प्रदूषण पूर्णतः प्रतिबन्धित होगा। परीक्षा केन्द्र से 200 मीटर की परिधि में शान्ति व्यवस्था में नियुक्त अधिकारी एवं कर्मचारी पुलिस बल के अतिरिक्त अन्य कोई व्यक्ति प्रवेश नहीं करेगा। उपरोक्त आदेशों का किसी भी प्रकार से उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अन्तर्गत दण्डनीय होगा।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों का जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने लिया जायजा

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। मुख्यमंत्री के रविवार को प्रस्तावित जनपद भ्रमण की तैयारियों के तहत जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने दन्या स्थित राजकीय महाविद्यालय और रामलीला मैदान का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर चल रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सुरक्षा, यातायात, पेयजल, विद्युत, पार्किंग, साफ-सफाई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए तैयारियों को निर्धारित समय से पहले पूरा करना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री के आगमन के लिए प्रस्तावित हेलीपैड स्थल के रूप में चिन्हित खेल मैदान का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने सुरक्षा मानकों और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित और बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जाएं। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर आर. घोड़के, मुख्य विकास अधिकारी रामजीशरण शर्मा, उप जिलाधिकारी सौम्या गर्ब्याल समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

स्वनिधि महोत्सव में ऋण अदायगी करने वाले स्ट्रीट वेंडर्स और लाभार्थी सम्मानित

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिलाधिकारी के निर्देशानुसार नगर निगम हरिद्वार परिसर में स्वनिधि महोत्सव एवं जनकल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मेयर किरण जैसल एवं नगर आयुक्त नन्दन कुमार ने किया।

महोत्सव में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभार्थियों ने अपनी सफलता की कहानियां साझा की। समय पर ऋण अदायगी करने वाले लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंक अधिकारियों एवं बैंकर्स को भी सम्मानित किया गया। शिविर में जिला उद्योग केंद्र, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, रेशम विभाग, कृषि विभाग तथा विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और उपस्थित लोगों को विभागीय जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

मेयर किरण जैसल ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना रेहड़ी-पटरी और छोटे

कारोबारियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम बनी है। उन्होंने लाभार्थियों से समय पर ऋण चुकाकर योजना का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। नगर आयुक्त नन्दन कुमार ने कहा कि नगर निगम पात्र लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। ऐसे शिविरों से लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी और लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम में सहायक नगर आयुक्त श्याम सुन्दर प्रसाद, सिटी मिशन मैनेजर अंकित रमोला, वरिष्ठ सहायक शिव सिंह चौहान फेरी समिति सदस्य लघु व्यापार एसो. के प्रदेश अध्यक्ष संजय चोपड़ा टाउन वेंडिंग कमेटी सदस्य मोनू तोमर, सुमन गुप्ता ,आशा देवी ,तस्लीम अहमद , दिनेश चन्द्र, रतन लाल, सुभाष शर्मा, हेम चन्द्र पाण्डेय, अर्जुन सिंह एवं डॉ. आशीष सहित अनेक अधिकारी और लाभार्थी मौजूद रहे।

हृश्वश्वज्ञ-त के सफल आयोजन को लेकर हरिद्वार पुलिस की तैयारी पूरी, रहेगी कड़ी सुरक्षा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (हृश्वश्वज्ञ-त)-2026 के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर हरिद्वार पुलिस ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह के निर्देशन में रविवार 21 जून को आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

पुलिस लाइन रोशनाबाद स्थित बहुद्देशीय हॉल में एसपी क्राइम एवं परीक्षा की नोडल अधिकारी निशा यादव की अध्यक्षता में परीक्षा ड्यूटी में तैनात पुलिस बल की ब्रीफिंग आयोजित की गई। इस दौरान एसपी सिटी और एसपी देहात ने भी पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा अपने अनुभव साझा किए। ब्रीफिंग में पुलिस कर्मियों को परीक्षा केंद्रों पर सतर्कता बरतने, अभ्यर्थियों की सघन जांच करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को देने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी अवांछित तत्व की मौजूदगी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनपद

हरिद्वार में इस परीक्षा के लिए कुल 12 केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 8 केंद्र ग्रामीण क्षेत्र तथा 4 केंद्र नगर क्षेत्र में स्थित हैं। परीक्षा क्षेत्र को 5 जोन और 12 सेक्टर में विभाजित किया गया है। सभी जोन और सेक्टरों में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात रहेगा। पुलिस अधिकारियों ने जवानों को निर्देशित किया कि वे मेटल डिटेक्टर सहित सभी आवश्यक उपकरण समय पर प्राप्त कर निर्धारित समय से पूर्व अपने ड्यूटी स्थल पर पहुंचें, ताकि परीक्षा शुरू होने से पहले सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया जा सके। इसके अलावा संबंधित थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित परीक्षा केंद्रों के आसपास लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखेंगे और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। पुलिस ने परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं।

केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित रोजगारपरक योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर निवासरत व्यक्ति तक पहुंचे: भरत सिंह चौधरी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जनपद में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी एवं रोजगारपरक योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर निवासरत व्यक्ति तक पहुंचाने हेतु सभी अधिकारी धरातल पर कार्य करते हुए आपसी समन्वय एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। उक्त निर्देश ग्राम्य विकास मंत्री भरत सिंह चौधरी ने विकास भवन सभागार में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक के दौरान दिए।

समीक्षा बैठक में उन्होंने ग्राम्य विकास, स्वरोजगार, लघु एवं सूक्ष्म उद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग, मनरेगा, आजीविका संवर्धन, ग्रामीण अवस्थापना विकास, कृषि, उद्यान एवं पशुपालन सहित विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता, गुणवत्ता,समयबद्धता एवं जवाबदेही के साथ सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य गांव, गरीब, किसान, महिला एवं युवाओं को योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना है। दूरस्थ क्षेत्रों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाए, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी लाभ मिल सके। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि स्वयं सहायता समूहों एवं एनआरएलएम के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जाए तथा 'लखपति दीदी योजना' के अंतर्गत शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जाए, जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) के अंतर्गत सड़क निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

कैबिनेट मंत्री ने जनपद में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र के निर्देशन में संचालित 'क्लाउड किचन योजना' की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने में अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने अधिक से अधिक महिलाओं को इस योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। पर्यावरण संरक्षण के लिए उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' एवं 'एक पेड़ गुरु के नाम' रोपित करने के निर्देश दिए तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने को भी कहा। बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं आगामी लक्ष्यों की जानकारी दी। योजनाओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र के कुशल नेतृत्व में जनपद में विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है। उन्होंने सभी अधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हुए आगे भी इसी लगन से कार्य करने के निर्देश दिए। जनपद आगमन पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र ने कैबिनेट मंत्री का स्वागत करते हुए उन्हें धार्मिक पुस्तक भेंट की तथा आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिए गए निर्देशों एवं सुझाव का संबंधित अधिकारियों द्वारा अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। बैठक में जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, महाप्रबंधक उद्योग उत्तम सिंह तिवारी, जिला परियोजना प्रबंधक रीप संजय सक्सेना, खंड विकास अधिकारी बहादराबाद मानस मित्तल, लक्सर परवीन भट्ट, रुड़की सुमन कुटियाल, खानपुर आलोक गर्गेय, नारसन पवन सिंह सैनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक नजर

होटल धर्मशालाओं का किया गया सुरक्षा ऑडिट

पथ प्रवाह, हरिद्वार। एसएसपी नवनीत सिंह द्वारा जारी निर्देशानुसार होटल रेस्टोरेंट एवं अन्य जनसहभागिता वाले संस्थान के विशेष निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान शनिवार को फायर स्टेशन मायापुर में तैनात कर्मियों द्वारा हरिद्वार क्षेत्र अंतर्गत स्थित होटल रेस्टोरेंट /होमस्टे एवं अन्य संस्थानो का अग्नि सुरक्षा के दृष्टिकोण से गहन निरीक्षण किया गया। जिसके तहत होटल अमाया भूपतवाला हरिद्वार, होटल पैराडाइज भूपतवाला हरिद्वार, होटल कृष्ण हेरीटेज भूपतवाला हरिद्वार के आपातकालीन निकास मार्ग व्यवस्था, अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था, प्राथमिक अग्निशमन यंत्रों की कार्यक्षमता/वैधता एवं अग्निशमन अनापत्ति प्रमाण पत्र को चेक किया गया। प्रबंधक को अग्निशमन उपकरणों को सदैव कार्यशील दशा में रखने हेतु निर्देशित किया गया।

एडीएम से मिला सिक्ख समाज, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। सिक्ख समाज ने कर्णप्रयाग में निहंग सिक्खों के साथ मारपीट और

कार्यवाही पर नाराजगी जताते हुए मुख्यमंत्री के नाम एडीएम वैभव गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने पूरे प्रकरण की पुलिस कार्यवाही पर सवाल खड़े करते हुई निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। श्री गुरु नानक देव जी धर्म प्रचार समिति के संचालक बाबा पंडत ने कहा कि कर्णप्रयाग में स्थानीय लोगों और सिक्ख निहंग युवकों के बीच मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। जिसके आधार पर सिक्ख युवकों को दोषी मानते हुए एक तरफा कार्यवाही की गई है। जिसके कारण सिक्ख समाज में भारी रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि जब कोई लड़ाई होती है तो दोनों पक्षों को सुनवाई होनी चाहिए। जिस प्रकार से पुलिस ने सिक्ख युवकों को गिरफ्तार कर मारा पीटा है इसकी जितनी निंदा की जाए कम है।

अध्यक्ष सूबा सिंह ढिल्लों ने कहा कि कृपाण सिक्ख युवकों ने अपनी सुरक्षा में उठाई। अगर ऐसा नहीं करते तो भीड़ उन्हें जान से मार देती। दूसरे पक्ष ने पहले डंडो से वार किया उन पर कोई कार्यवाही नहीं करना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। जल्द ही दूसरे पक्ष पर भी कार्यवाही की जाए। ऐसा नहीं होने पर समाज आंदोलन के लिए मजबूर होगा जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस अवसर पर उज्जल सिंह सेठी, हरभजन सिंह बाजवा, जोगिंदर सिंह आदि उपस्थित रहे।

कुंभ मेला-2027: अपर मेलाधिकारी ने खड़खड़ी क्षेत्र का निरीक्षण कर सूखी नदी पर निर्माणाधीन पुल के कार्यों का लिया जायजा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के तहत कुंभ क्षेत्र में विभिन्न महत्वपूर्ण अवस्थापना कार्य तेजी से संचालित किए जा रहे हैं। मेला प्रशासन द्वारा इन सभी कार्यों की प्रगति की निरंतर निगरानी एवं समीक्षा की जा रही है, ताकि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण कराए जा सकें।

इसी क्रम में अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने शनिवार को खड़खड़ी क्षेत्र का भ्रमण कर सूखी नदी पर निर्माणाधीन पुल के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं निर्धारित समयसीमा के अनुरूप कार्यों के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य में और तेजी लाने के निर्देश दिए।

कुंभ मेला-2027 के लिए शासन द्वारा स्वीकृत अवस्थापना कार्यों के अंतर्गत सूखी नदी में स्थित वर्तमान कॉजवे के स्थान पर 44.80 मीटर लंबाई के डबल लेन (केबल नेट आर्च) पुल का निर्माण कराया जा रहा है। इस परियोजना की कुल स्वीकृत लागत 1321.96 लाख रुपये है। वर्तमान में यातायात के लिए उपयोग किए जा रहे कॉजवे पर वर्षा ऋतु के दौरान अत्यधिक जलभराव एवं तेज बहाव के कारण आवागमन प्रभावित होता है। इससे यातायात व्यवस्था बाधित होने के साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से भी चुनौतियां उत्पन्न होती हैं। प्रस्तावित पुल के निर्माण से इस समस्या का स्थायी समाधान होगा तथा वर्षभर सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

प्रस्तावित पुल को श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जा रहा है। पुल पर पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ का प्रावधान किया गया है, जिससे पैदल आवागमन अधिक सुरक्षित हो सकेगा। इसके अतिरिक्त पुल के दोनों ओर एप्रोच रोड का निर्माण भी किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को और अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाया जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं ने निर्माण कार्य की प्रगति से अवगत कराते हुए बताया कि पुल के एक पिलर के निर्माण स्थल के नीचे से गुजर रही सीवर लाइन को शिफ्ट किया जाना आवश्यक है। इस पर अपर मेलाधिकारी ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सीवर लाइन शिफ्टिंग से संबंधित कार्यवाही अविलंब पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि इस महत्वपूर्ण निर्माण कार्य को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाना सुनिश्चित किया जाए। अपर मेलाधिकारी ने निर्माण कार्य की नियमित निगरानी, गुणवत्ता नियंत्रण तथा संबंधित विभागों के मध्य प्रभावी समन्वय बनाए रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि कुंभ मेला-2027 से जुड़े सभी अवस्थापना विकास कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता डी.पी. सिंह, तकनीकी प्रकोष्ठ के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुमार सहित लोक निर्माण विभाग एवं मेला प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जनकल्याण शिविरों में 150 आवेदन पत्रों में से 136 का मौके पर किया गया निस्तारण

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जनपद हरिद्वार में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी एवं विकासपरक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में चौथे दिन भी नगर निगम,नगर पंचायतों एवं विकास खंडों में आयोजित किए गए जनकल्याणकारी शिविर।

शनिवार को आयोजित शिविर विधानसभा हरिद्वार के नगर निगम हरिद्वार में जनकल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 43 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। जिसमें सभी आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया। विधानसभा खानपुर के नगर पंचायत लंढौरा में शिविर में सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। आयोजित शिविर में 21 आवेदन प्राप्त हुए ,जिनका शत प्रतिशत निस्तारण किया गया। विधानसभा भगवानपुर के नगर पंचायत भगवानपुर में 13, विधानसभा पिरान कलियर के नगर पंचायत पिरान कलियर में 05 आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें से 02 आवेदन पत्र का मौके पर निस्तारण किया गया, विधानसभा लक्सर के नगर पंचायत सुल्तानपुर आदमपुर में 07 आवेदन पत्र प्राप्त हुए, जिसमें से 06 आवेदन पत्र का मौके पर निस्तारण किया गया। विधानसभा भगवानपुर विकासखंड कार्यालय भगवानपुर में आयोजित शिविर में 61 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से 50 आवेदनों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। इन आयोजित जनकल्याण शिविर में 851 क्षेत्रवासियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

संपादकीय

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सोशल मीडिया और न्यायपालिका?

पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर सामग्री हटाने, अकाउंट ब्लॉक करने और ऑनलाइन कंटेंट पर नियंत्रण को लेकर बहस लगातार तेज हुई है। सरकार का तर्क है, फेक न्यूज, डीपफेक, सांप्रदायिक तनाव, साइबर अपराध और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े खतरों से निपटने के लिए सख्त नियमन आवश्यक हैं। दूसरी ओर डिजिटल अधिकार कार्यकर्ता, विपक्षी दल, सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म जिसमें अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं हैं, इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और पारदर्शिता से जोड़कर देख रही हैं। हाल ही में नीट परीक्षा को लेकर टेलीग्राम पर सरकार ने प्रतिबंध लगाया है, इस प्रतिबंध को लेकर टेलीग्राम ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, हाईकोर्ट ने प्रतिबंध को जायज ठहराया है। जबकि इस परीक्षा से टेलीग्राम का कोई लेना-देना नहीं था। इसके पहले भी अनेक मामलों को लेकर कई सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगा, लेकिन कानूनी रूप से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से भी इन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को जो न्याय मिला है उसको लेकर बेचैनी देखने को मिल रही है। हाल के महीनों में केंद्र सरकार द्वारा जारी कंटेंट ब्लॉकिंग आदेशों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, ऑनलाइन सामग्री को हटाने के सरकारी आदेश एक वर्ष में लगभग दोगुने होकर 24 हजार तक पहुंच गए हैं। इनमें सबसे अधिक कार्रवाई एक्स पूर्व में ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम से संबंधित सामग्री पर कार्यवाही हुई है।

सोशल मीडिया कंपनियों और सरकार के बीच टकराव का सबसे चर्चित उदाहरण एक्स और केंद्र सरकार के बीच चला विवाद है। एक्स ने सरकार की नई कंटेंट-हटाने की नीति को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाया। इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ा मुद्दा बताया है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने सरकार के पक्ष में फैसला देते हुए कहा कि भारत में कार्यरत डिजिटल प्लेटफॉर्मों को भारतीय कानूनों का पालन करना होगा। अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों का कहना है कि यह ऐसे कानून हैं जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सोशल मीडिया कंपनियों की परेशानियों को बढ़ाने वाले हैं। इसी प्रकार हाल में टेलीग्राम पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध को लेकर भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर असंतोष देखने को मिल रहा है। भारत सरकार ने इसे कथित परीक्षा-पत्र लीक और धोखाधड़ी रोकने के लिए आवश्यक कदम बताया है। जबकि टेलीग्राम ने दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए इसे अभिव्यक्ति और सूचना तक पहुंच के अधिकार पर आघात बताया है। सरकार के इस प्रतिबंध से लगभग 15 करोड लोगों की सेवाएं बंद हुई हैं, लेकिन टेलीग्राम को इस मामले में न्यायपालिका से कोई न्याय नहीं मिला। यहीं से बहस का दूसरा पक्ष शुरू होता है। आलोचकों का कहना है, जब बड़ी संख्या में कंटेंट हटाने के आदेश जारी होते हैं। अदालतें कई मामलों में सरकार के अधिकारों को वैध ठहराती हैं। और कई मामलों में अदालत उससे उलट फैसला देती हैं। तब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह धारणा बनती है, न्यायपालिका का संतुलन कमजोर हो रहा है। दूसरी ओर सरकार समर्थकों का तर्क है। अदालतें स्वतंत्र रूप से कानून की व्याख्या करती हैं। केवल सरकार के पक्ष में फैसला आने से न्याय पालिका की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता है। अंतर्राष्ट्रीय कानूनी और डिजिटल अधिकार संगठनों ने भी भारत में ऑनलाइन सामग्री हटाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिकों को स्पष्ट कारण बताने की व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए। कंटेंट हटाने और प्रतिबंध लगाने के पहले सुनवाई का मौका दिया जाना चाहिए।

वास्तविक चुनौती यही है, लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सार्वजनिक व्यवस्था के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। सरकार का अधिकार है, वह कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करे। उतना ही आवश्यक यह भी है, नागरिकों में यह विश्वास बना रहे। बिना अनावश्यक हस्तक्षेप के वह अपनी बात कह सकें। लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता। जनता के विश्वास एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर भी चलता है। यदि सोशल मीडिया, कंपनियां, नागरिक, समाज, विपक्ष और सरकार एक-दूसरे पर अविश्वास व्यक्त करगें, तो इसका असर लोकतांत्रिक व्यवस्था पर पडना तय है। आवश्यकता इस बात की है कि कंटेंट हटाने की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी हो। न्यायिक समीक्षा प्रभावी हो, नागरिक अधिकारों तथा राष्ट्रीय हितों के बीच संतुलन कायम रखा जाए। लोकतंत्र की पहचान नियम और कानून का पालन सरकार और आम जनता जब दोनों मिलकर करते हैं तभी लोकतंत्र पुष्ट होता है। यदि यह धारणा बनने लगे, न्याय पालिका में सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट हमेशा सरकार के पक्ष में फैसले देते हैं। इससे लोकतंत्र न्यायपालिका दोनों ही कमजोर होते हैं।

संगीत है शांति, संवेदना और मानवता का स्वर

ललित गर्ग

आज का विश्व अभूतपूर्व संकटों के दौर से गुजर रहा है। एक ओर युद्धों की विभीषिका है, दूसरी ओर आतंकवाद का भय, सामाजिक हिंसा, मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन और असहिष्णुता का बढ़ता हुआ वातावरण। विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधासंपन्न तो बनाया है, लेकिन मनुष्य के भीतर की शांति, संतुलन और आनंद कहीं खोता जा रहा है। ऐसे समय में यदि कोई शक्ति मनुष्य को स्वयं से, समाज से और मानवता से पुनः जोड़ सकती है तो वह है-संगीत। संगीत केवल मनोरंजन नहीं है, यह मनुष्य के भीतर छिपी संवेदनाओं का जागरण है। यह आत्मा की भाषा है, जो बिना शब्दों के भी हृदय तक पहुंच जाती है। यही कारण है कि 21 जून को विश्व संगीत दिवस केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि मानवता को शांति, संवेदना और सौहार्द का संदेश देने वाला वैश्विक उत्सव बन गया है।

विश्व संगीत दिवस का आरम्भ 1982 में फ्रांस से हुआ था। इसका मूल उद्देश्य था कि संगीत सभागारों और मंचों तक सीमित न रहे, बल्कि सड़कों, पार्कों, चौपालों और जनजीवन में उतरे। धीरे-धीरे यह उत्सव 120 से अधिक देशों तक पहुंच गया। आज यह दिन हमें याद दिलाता है कि संगीत किसी देश, धर्म, जाति या भाषा का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता का साझा धरोहर है। वर्तमान समय में दुनिया का सबसे बड़ा संकट केवल युद्ध नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर बढ़ती हुई कठोरता और संवेदनहीनता है। हथियारों से पहले विचार हिंसक होते हैं और विचारों को मानवीय बनाने का सामर्थ्य संगीत में है। संगीत मनुष्य के भीतर करुणा, प्रेम और सह-अस्तित्व की भावना जगाता है। जहां संवाद समाप्त हो जाता है, वहां संगीत संवाद का नया मार्ग खोल देता है।

इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी शांति नहीं दी, लेकिन संगीत ने सदैव टूटे हुए दिलों को जोड़ा है। सैनिक मोर्चों पर भी गीतों ने साहस जगाया है और शांति आंदोलनों में भी संगीत ने मानवता की आवाज बनकर कार्य किया है। आज जब दुनिया के अनेक हिस्से संघर्षों से जूझ रहे हैं, तब संगीत सीमाओं से परे जाकर मनुष्यों के बीच एक अदृश्य पुल का निर्माण कर सकता है। संगीत का सबसे बड़ा चमत्कार यह है कि यह मनुष्य को भीतर से स्वस्थ बनाता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने भी स्वीकार किया है कि संगीत केवल कानों को सुख नहीं देता, बल्कि शरीर और मस्तिष्क पर गहरा सकारात्मक प्रभाव डालता है। अनेक शोधों से प्रमाणित हुआ है कि मधुर संगीत तनाव हार्मोन को कम करता है, रक्तचाप को नियंत्रित करता है, अनिद्रा में राहत देता है तथा अवसाद और चिंता जैसी मानसिक समस्याओं को कम करने में सहायक होता है।

आज दुनिया में करोड़ों लोग मानसिक तनाव और अवसाद से जूझ रहे हैं। प्रतिस्पर्धा, भागदौड़, अकेलापन और डिजिटल जीवनशैली ने मनुष्य को भीतर से थका दिया है। ऐसे समय में संगीत एक औषधि की तरह कार्य करता है। यही कारण है कि विश्व के अनेक अस्पतालों में संगीत-चिकित्सा-म्यूजिक थैरेपी का प्रयोग किया जा रहा है। यह चिकित्सा व्यक्ति के मन को शांत कर उसके भीतर आशा और सकारात्मकता का संचार करती है। संगीत का संबंध केवल स्वास्थ्य से नहीं, बल्कि रचनात्मकता और सृजनशीलता से भी है। जहां संगीत होता है, वहां जीवन में लय होती है। लयहीन जीवन तनाव पैदा करता है, जबकि संगीत जीवन को संतुलन प्रदान करता है। संगीत सुनने वाला व्यक्ति अधिक संवेदनशील, अधिक कल्पनाशील और अधिक रचनात्मक बनता है। यही कारण है कि साहित्य, कला, चित्रकला, नृत्य और अन्य सृजनात्मक क्षेत्रों में संगीत की उपस्थिति अनिवार्य मानी जाती है। यदि गहराई से देखा जाए तो संपूर्ण प्रकृति स्वयं एक विराट संगीत है। पक्षियों का कलरव, कोयल की कूक, झरनों की कलकल, समुद्र की लहरों का संगीत, वर्षा की रिमझिम, हवा की सरसराहट और पत्तों की थिरकन-सबमें संगीत की ही अभिव्यक्ति है। प्रकृति का यह संगीत हमें सिखाता है कि जीवन संघर्ष नहीं, समन्वय का नाम है। जहां समन्वय है, वहां संगीत है; जहां संगीत है, वहां शांति है।

भारतीय संस्कृति में संगीत को दिव्यता का स्वरूप माना गया है। भगवान शिव के डमरू से निकली ध्वनियों को सृष्टि के प्रथम नाद का प्रतीक माना गया है। भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी केवल एक वाद्य यंत्र नहीं, बल्कि प्रेम, आकर्षण और आत्मिक एकता का प्रतीक है। मां सरस्वती के हाथों में वीणा ज्ञान और संगीत के अद्भुत समन्वय का संदेश देती है। भारतीय संगीत की परंपरा हजारों वर्षों पुरानी है। वेदों के मंत्रों से लेकर सामवेद के गायन तक, भक्ति आंदोलन के संतों से लेकर शास्त्रीय संगीत के महान आचार्यों तक, संगीत ने भारतीय समाज को आध्यात्मिक ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सूरदास, तुलसीदास, कबीर, मीरा, नामदेव, तानसेन और बैजू बावरा जैसे महान व्यक्तित्वों ने संगीत को जन-जन तक पहुंचाया। संगीत केवल कला नहीं, बल्कि अहिंसा का भी माध्यम है। हिंसा मनुष्य को विभाजित करती है, जबकि संगीत जोड़ता है। आतंकवाद और कट्टरता का जन्म घृणा से होता है, जबकि संगीत प्रेम का वातावरण निर्मित करता है। यदि बच्चों को बचपन से संगीत, कला और संस्कृति से जोड़ा जाए तो उनके भीतर संवेदनशीलता और सहिष्णुता विकसित होगी। यही संवेदनशीलता भविष्य में हिंसा और कट्टरता के विरुद्ध सबसे बड़ी शक्ति बन सकती है।

आज विश्व को जिस प्रकार योग की आवश्यकता है, उसी प्रकार संगीत की भी आवश्यकता है। वास्तव में संगीत और योग दोनों एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं- आंतरिक संतुलन और आत्मिक शांति। योग शरीर और मन को जोड़ता है, जबकि संगीत मन और आत्मा को जोड़ता है। दोनों मिलकर व्यक्ति को सम्पूर्ण स्वास्थ्य और संतुलित जीवन की दिशा प्रदान करते हैं। संगीत सामाजिक सौहार्द का भी महत्वपूर्ण साधन है। किसी भी उत्सव, पर्व, विवाह, धार्मिक आयोजन या राष्ट्रीय समारोह की कल्पना संगीत के बिना नहीं की जा सकती।

स्वस्थ जीवन का आनंद लेने की कला है योग

(लेखक - कुमार कृष्णन /ईएमएस)

तक़रीबन एक दशक पहले भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग को भारत की प्राचीन परंपरा का अमूल्य उपहार बताते हुए इसे वैश्विक स्तर पर मनाने का प्रस्ताव रखा था। इसका उद्देश्य भारत की प्राचीन परंपरा को समस्त मानवता के स्वास्थ्य और सामूहिक कल्याण से जोड़ना था। संयुक्त राष्ट्र में 190 देशों ने भारत के इस प्रस्ताव का समर्थन किया था। 90 दिनों के रिकॉर्ड समय के भीतर, 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित कर दिया।

बीसवीं सदी के महानतम संत स्वामी शिवानंद के शिष्य और विश्व योग आंदोलन के प्रवर्तक स्वामी सत्यानन्द सरस्वती जी ने योग की संभावनाओं को पहचानते हुए साठ के दशक में ही घोषित कर दिया था कि योगविद्या विश्वव्यापी संस्कृति के रूप में उभरेगी और विश्व की घटनाओं को निर्देशित करेगी। आज जब सारा विश्व अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करते जा रहा है तो उनकी भविष्यवाणी खरी उतरती दिख रही है।

इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग है। 'जो लोग लंबे समय तक स्वस्थ और सक्रिय बने रहने के उपाय खोज रहे हैं, उनके लिए योग एक अत्यंत उपयुक्त विकल्प है। '

योग हर मनुष्य को स्वस्थ, सकारात्मक, सृजनात्मक और संतोषपूर्ण जीवन जीने के साधन उपलब्ध कराता है। योग के माध्यम से हम यह सीखते हैं कि अपनी जीवनशैली को उन्नत बनाकर किस प्रकार समाज के उत्थान में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं।

बीसवीं सदी के महानतम संत स्वामी शिवानन्द सरस्वती ने कहा है कि अपने जीवन रूपी खेत में विचार बोने से एक कर्म पैदा होता है, कर्म बोने से आदत, आदत बोने से चरित्र और चरित्र बोने से नियति पैदा होती है। उनके इस सिद्धान्त को चरितार्थ करने का यह सर्वोत्तम समय है।

अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बिहार योग विद्यालय (मुंगेर) के परमाचार्य परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती के अनुसार, स्वस्थ वृद्धावस्था का रहस्य केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि एक यौगिक सकारात्मक दिनचर्या है। इसका उद्देश्य शरीर में रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना, भावनात्मक संतुलन, और सकारात्मकता बनाए रखना है।

बीसवीं शताब्दी के दौरान मृत्यु दर में भारी गिरावट आई है और जन्म दर में भी कुछ हद तक कमी आई है। हालांकि, जीवन प्रत्याशा में वृद्धि हुई है और 65 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग की जनसंख्या की वृद्धि दर अब विश्व की समग्र जनसंख्या वृद्धि दर से अधिक हो गई है। परिणामस्वरूप, हमें किसी भी जनसंख्या में पहले की तुलना में अधिक वृद्ध लोग मिलते हैं और यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है।इसके अलावा, अधिक से अधिक बुजुर्ग लोग शारीरिक और मानसिक रूप से लंबे समय तक स्वस्थ रह रहे हैं, और यह मानवीय ऊर्जा एक ऐसा संसाधन है जिसका उचित उपयोग किया जाना चाहिए। वास्तव में, संयुक्त राष्ट्र ने 1999 को अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग वर्ष घोषित किया था। वृद्धावस्था की समस्याएं विशिष्ट होती हैं और मानवीय संसाधनों पर गुणात्मक, मात्रात्मक और अवधि के लिहाज से बहुत अधिक दबाव डालती है।

डॉ स्वामी निर्मलानंद सरस्वती वृद्धावस्था के अध्ययन को जराविज्ञान और वृद्धावस्था के चिकित्सा प्रबंधन को जराचिकित्सा कहा जाता है। आज के मानदंडों के अनुसार, पैंसठ वर्ष और उससे अधिक आयु के किसी भी व्यक्ति को वरिष्ठ नागरिक कहा जाता है, लेकिन परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती कहते थे कि सामान्य जीवन प्रत्याशा डेढ़ सौ वर्ष है और यदि हम एक सच्चे यौगिक जीवन शैली को अपनाना सीख लें तो शायद हम इसे भी प्राप्त कर सकते हैं। शारीरिक स्तर पर उम्र बढ़ने के साथ शरीर की सीमाएं और विभिन्न बीमारियां शामिल हैं। शारीरिक सीमाएं सीमित गतिशीलता, जोड़ों में अकड़न और मांसपेशियों की कमजोरी के कारण होती हैं। विभिन्न इंद्रियों की कार्यक्षमता में कमी, जैसे कि कमजोर दृष्टि, बहरापन और संतुलन की क्षमता में गिरावट, इन सीमाओं को और बढ़ा देती हैं। वृद्ध लोग हड्डियों के टूटने, सीने और मूत्र संक्रमण के प्रति भी अधिक संवेदनशील होते हैं। रक्त संचार धीमा हो जाता है और पाचन क्रिया खराब हो जाती है।

युवावस्था में तनावपूर्ण जीवनशैली के दुष्परिणाम उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मधुमेह आदि के रूप में सामने आ सकते हैं। उम्र बढ़ने के साथ-साथ मस्तिष्क और अन्य अंगों के अपक्षयी रोग, जैसे कि प्रोस्टेट ग्रंथि का बढ़ना, भी अधिक देखने को मिलते हैं। संक्षेप में, शरीर की शारीरिक संरचना में परिवर्तन के कारण उम्र बढ़ने के साथ-साथ शारीरिक समस्याएं भी बढ़ती जाती हैं।

दूसरी तरह की समस्याओं में मानसिक क्षमताओं का कमजोर होना शामिल है। इनमें याददाश्त, सीखने की क्षमता, समझने की शक्ति या संज्ञानात्मक क्षमता, एकाग्रता, तर्क या बुद्धि का कमजोर होना और सोचने की प्रक्रिया का सुस्त और अनम्य होना शामिल हो सकता है।

तीसरा, भावनात्मक स्तर पर अक्षमता और मृत्यु का भय, निर्भरता, असुरक्षा, अस्वीकृति और अकेलापन, आत्मविश्वास और आत्मसम्मान में कमी और अविश्वास की भावना हो सकती है।

चौथे स्तर पर, मनोसामाजिक स्तर पर वित्तीय संसाधनों में कमी हो जाती है।

यौगिक अभ्यासों का सही संयोजन वृद्धावस्था से जुड़ी अधिकांश समस्याओं को काफी हद तक ठीक कर सकता है। अभ्यासों का चयन व्यक्ति विशेष की समस्याओं और उसकी क्षमता पर निर्भर करता है। हालांकि, कुछ अभ्यास सभी के लिए लाभकारी होते हैं। षट्कर्मों में , नेति और कपालभाति का अभ्यास प्रतिदिन किया जा सकता है, जबकि कुंजल, लघु और त्राटक का अभ्यास समय-समय पर किया जा सकता है।

सक्रिय जीवन की कुंजी है योग

डॉ. वंदना सेन

योग जीवन को संतुलित बनाता है। भगवान श्रीकृष्ण ने योग को केवल शारीरिक व्यायाम नहीं कहा। उन्होंने योग को मन को संतुलित करने का एक माध्यम बताया। सनातन काल से यह सर्वसिद्ध है कि व्यवस्थित योग क्रिया के माध्यम से शरीर को पुष्ट किया जा सकता है, निरोग रखा जा सकता है। योग जीवन के सर्वांगीण विकास का एक ऐसा माध्यम है, जो व्यक्ति के लिए सहज है। वास्तव में योग व्यवस्थित जीवन का आधार है। योग के कारण ही व्यक्ति की अनेक प्रकार की व्याधियां दूर होती हैं। मानसिक तनाव भी कम होता है। आजकल की भागदौड़ भरी दिनचर्या के चलते अधिकतर व्यक्ति मानसिक अवसाद की अवस्था की ओर जा रहे हैं, यही अवसाद व्यक्ति के जीवन के सर्वांगीण विकास की राह में अवरोध बनते हैं। इन सबको दूर करने का योग ही एक माध्यम है। योग व्यक्ति की एकाग्रचित्तता को बढ़ाता है, जिससे व्यक्ति किसी कार्य को अच्छी प्रकार से संपादित करता है। योग ही रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करता है। इसलिए योग से जुड़ना व्यक्ति के जीवन के लिए बहुत जरूरी है, योग को आज से ही अपने जीवन का आवश्यक हिस्सा बनाएं। वर्तमान में विश्व में जितनी भी ज्ञान और विज्ञान की बातें की जाती हैं, वह भारत में युगों पूर्व की जा चुकी हैं। इससे कहा जा सकता है कि भारत में ज्ञान और विज्ञान की पराकाष्ठा थी, लेकिन यह हमारा दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि हम विदेशी चमक के मोहजाल में फंसकर अपने ज्ञान को संरक्षित नहीं कर सके। जिसके कारण हम स्वयं ही यह भुला बैठे कि हम क्या थे। भारत की भूमि से विश्व को एक परिवार मानने का संदेश प्रवाहित होता रहा है, आज भी हो रहा है। यह अकाट्य सत्य है कि विश्व को शांति के मार्ग पर ले जाने का ज्ञान और दर्शन भारत के पास है। योग विधा एक ऐसी शक्ति है, जिसके माध्यम से दुनिया को स्वस्थ और मजबूती प्रदान की जा सकती है। 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से आज विश्व के कई देश भारत के साथ खड़े हुए हैं। यह विश्व को निरोग रखने की भारत की सकारात्मक वैश्विक पहल है।

देव भूमि भारत में वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को आत्मसात करने वाले मनीषियों ने बहुत पहले ही विश्व को स्वस्थ और मजबूत बनाने का संदेश दिया है। पिछले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूरे विश्व में योग का जो स्वरूप दिखाई दिया, वह अपने आप में एक करिश्मा है।

अनाथ बालिकाओं के संरक्षण में साध्वी ऋतम्भरा का योगदान अनुकरणीय: रविंद्र पुरी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने जगजीतपुर स्थित वात्सल्य गंगा आश्रम में दीदी मां साध्वी ऋतम्भरा से भेंट कर धर्म एवं सामाजिक विषयों पर चर्चा की। आश्रम पहुंचने पर साध्वी ऋतम्भरा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया, जबकि महंत सत्यश्री महाराज और महंत सत्यशील महाराज ने उन्हें फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि राम मंदिर आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली साध्वी ऋतम्भरा आज हजारों अनाथ बालिकाओं के संरक्षण, शिक्षा और पुनर्वास का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनके विवाह तक की जिम्मेदारी निभाकर साध्वी ऋतम्भरा समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई हैं। उन्होंने उनके कार्यों की तुलना मदर टेरेसा जैसी सेवा भावना से करते हुए कहा कि

यह योगदान पूरे समाज के लिए अनुकरणीय है।

उन्होंने कहा कि सनातन परंपराओं को नुकसान पहुंचाने के प्रयासों को संत समाज कभी सफल नहीं होने देगा और धर्म-संस्कृति की रक्षा के लिए सभी संत एकजुट हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सनातन संस्कृति के संरक्षण में महिला संतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगी।

साध्वी ऋतम्भरा ने कहा कि संत समाज का उद्देश्य सनातन धर्म की रक्षा करते हुए समाज को सांस्कृतिक रूप से संगठित करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के नेतृत्व में देशभर का संत समाज एकजुट होकर सनातन की प्रतिष्ठा को कमजोर करने वाले प्रयासों का प्रभावी जवाब देगा।

उन्होंने आगामी वर्ष हरिद्वार में आयोजित होने वाले कुंभ मेले को भव्य एवं दिव्य स्वरूप में संपन्न कराने की बात कहते हुए बताया कि धर्म एवं संस्कृति के प्रचार-प्रसार के साथ विभिन्न सेवा प्रकल्पों का भी आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में साध्वी चेतना, स्वामी सत्यश्रेय, साध्वी सहृदय, साध्वी शिरोमणि, स्वामी सत्यशील, स्वामी सत्यश्रवा, साध्वी सत्यश्रुति, साध्वी सत्यनिष्ठा, साध्वी सत्य समिधा, स्वामी सत्य आलोकानंद, अमित वालिया और विश्वास सक्सेना सहित अनेक संत एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने विभिन्न विकास कार्यों का किया शिलान्यास

पथ प्रवाह,कोटद्वार

विधानसभा अध्यक्ष उत्तराखंड एवं विधायक कोटद्वार श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण ने आज जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखंड दुगड्डा अंतर्गत कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नं0 01 ग्रास्टानगंज, वार्ड नं0 02 कुम्भीचौड़ एवं वार्ड नं0 03 लालपानी सनेह में विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया।

इस दौरान वार्ड नं0 01 ग्रास्टानगंज एवं वार्ड नं0 02 कुम्भीचौड़ में ?18.50 लाख तथा वार्ड नं0 03 लालपानी सनेह में ?35.75 लाख की लागत से विभिन्न निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश सरकार के सहयोग एवं जनता के विश्वास से कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को निरंतर गति मिल रही है और क्षेत्र के प्रत्येक हिस्से तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। अपने संबोधन में ऋतु खण्डूडी भूषण ने कहा कि वर्ष 2022 से अब तक इन तीनों वार्डों में अनेक महत्वपूर्ण विकास कार्य संपन्न किए गए हैं। क्षेत्र में 4 नई पुलियों का निर्माण कराया गया है। इसके अतिरिक्त लगभग ?50 करोड़ की लागत से बाढ़ सुरक्षा दीवारों के निर्माण कार्य किए जा रहे हैं, जिससे बरसात के दौरान होने वाले कटाव एवं नुकसान से क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि विभिन्न विद्यालयों में मरम्मत एवं फर्नीचर की व्यवस्था के कार्य कराए गए हैं, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके। इसके साथ ही अनेक नई सड़कों का निर्माण, पुरानी सड़कों का सुधारीकरण तथा नहरों के निर्माण एवं पुनरोद्धार के कार्य भी किए गए हैं, जिससे क्षेत्र में आवागमन एवं सिंचाई सुविधाओं को मजबूती मिली है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि उनकी प्राथमिकता कोटद्वार विधानसभा के प्रत्येक गांव, वार्ड एवं क्षेत्र का समग्र विकास करना है। उन्होंने कहा कि विकास कार्य केवल आधारभूत संरचना तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका उद्देश्य लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना और क्षेत्र को नई पहचान दिलाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं ताकि जनता को उनका लाभ शीघ्र प्राप्त हो सके। इस अवसर पर भाजपा मण्डल अध्यक्ष विकासदीप मित्तल, पार्षद संजय भंडारी, अनिल रावत, जेपी ध्यानी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विजयनंद पोखरियाल, बीना रावत, किसान मोर्चा अध्यक्ष धीरज नेगी, पूर्व सैनिक महेश नेगी, महेंद्र सिंह बजेटा, रेनू कोटियाल, मीना अधिकारी, पुरुषोत्तम कोटियाल, संजय रावत, अरविंद बनियाल, रजनी बिष्ट, लक्ष्मी रावत, अनीता चावला, आदित्य त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक नजर

खान सर की गिरफ्तारी पर रोक

पटना(ईएमएस)। फैजल खान उर्फ खान सर को एक बार फिर बड़ी राहत मिल गई है। कोर्ट ने आज शनिवार 20 जून को सुनवाई के दौरान उन्हें गिरफ्तारी से मिली राहत बरकरार रखी है। कोर्ट ने सुनवाई के बाद इंटरिम प्रोटेक्शन अगली तारीख तक के लिए बढ़ा दी है। इससे पहले पुलिस ने अदालत में केस डायरी को सबमिट कर दिया है। अब अगली तारीख तक खान सर को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकती है। पटना सिविल कोर्ट से फैजल खान उर्फ खान सर को एक बार फिर से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने शनिवार को सुनवाई के दौरान उन्हें गिरफ्तारी से मिली राहत बरकरार रखी है। इसके साथ ही अदालत ने 'कोई कठोर कार्रवाई न करने' के लिए कहा है। पुलिस को निर्देश दिया गया है कि अगली सुनवाई तक कोई दंडात्मक कार्रवाई न करे।

जनरल बोगी में सीट के लिए मर्डर

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकडऩे के दौरान हुए विवाद में एक यात्री की जान चली गई। प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर योगा एक्सप्रेस में चढऩे की कोशिश कर रहे एक शख्स को कुछ सह-यात्रियों ने बुरी तरह पीट दिया। गंभीर हालत में पीड़ित को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद रेलवे पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह खौफनाक वारदात शाहदरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर हुई। उत्तर प्रदेश के बागपत के रहने वाले पंकज धामा योगा एक्सप्रेस ट्रेन में चढऩे की कोशिश कर रहे थे। तभी बोगी के गेट पर मौजूद कुछ अन्य यात्रियों के साथ उनकी कहासुनी हो गई। देखते ही देखते यह मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। गुस्साए सह-यात्रियों ने पंकज पर धावा बोल दिया।

टीएमसी नेता जहांगीर की पत्नी गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस नेता जहांगीर खान की पत्नी सरीना बीबी (37) को शनिवार सुबह गिरफ्तार किया है। उन पर फालता पुलिस स्टेशन पर भीड़ जुटाकर पुलिस और केंद्रीय बलों पर हमले और जहांगीर खान को पुलिस हिरासत से छुड़ाने की कोशिश का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, 16 जून को सरीना बीबी ने समर्थकों को जुटाकर थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन कराया था। भीड़ ने सुरक्षाबलों पर पत्थरबाजी भी की। मामले में अब तक 27 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जहांगीर खान को पुलिस ने 8 जून को भारत से भागने के दौरान नेपाल बॉर्डर के पास से गिरफ्तार किया था।

क्रिकेट मैच के विवाद ने लिया हिंसक रूप, युवक पर लाठी-डंडों से हमला

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र में क्रिकेट मैच के दौरान हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। शुक्रवार देर शाम मैच खेलकर घर लौट रहे एक युवक पर बाइक सवार नकाबपोश युवकों ने बीच सड़क पर हमला कर दिया। आरोपियों ने युवक के साथ जमकर मारपीट की और मौके से फरार हो गए। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार रावली महदूद स्थित हरिद्वार ग्रीन सोसायटी निवासी रितिक शुक्रवार शाम जमालपुर में क्रिकेट मैच खेलने के बाद अपने एक साथी के साथ बाइक से घर लौट रहा था। जब वह कनखल क्षेत्र में हरेराम आश्रम के पास पहुंचा, तभी कार्तिक नामक युवक अपने पांच-छह साथियों के साथ वहां पहुंच गया। आरोप है कि आरोपियों ने रितिक को रोककर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

वायरल सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि रितिक और उसका दोस्त बाइक से जा रहे हैं। तभी एक बाइक पर सवार तीन युवक उनके पास पहुंचते हैं और अचानक हमला कर देते हैं। हमलावरों के हाथों में लाठी-डंडे भी दिखाई दे रहे हैं। कुछ ही क्षणों बाद अन्य आरोपी भी मौके पर पहुंच जाते हैं और दोनों युवकों पर हमला बोल देते हैं। हमले के दौरान रितिक बाइक समेत सड़क पर गिर जाता है और खुद को संभालने का मौका तक नहीं पाता।

घटना के दौरान आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। शोर-शराबा सुनकर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों के बीच-बचाव के बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। घायल रितिक ने अस्पताल पहुंचकर मेडिकल परीक्षण कराया और कनखल थाना पुलिस को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार यह विवाद क्रिकेट मैच के दौरान शुरू हुआ था। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को जमालपुर में खेले जा रहे मैच के दौरान किसी बात को लेकर दो गुटों के बीच कहासुनी हुई थी, जो बाद में रंजिश में बदल गई। इसी विवाद के चलते घर लौटते समय रितिक को निशाना बनाया गया।

पीड़ित ने आरोपियों में शामिल एक युवक कार्तिक की पहचान कर ली है और उसके खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई है। वहीं पुलिस वायरल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान करने में जुटी हुई है।

कनखल थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि मामले में शिकायत प्राप्त हुई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के निर्देश

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) वैभव गुप्ता की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति (DRSC) की बैठक जिला कार्यालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक में परिवहन विभाग, पुलिस विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (ह्यद्ध), लोक निर्माण विभाग (PWD), शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

बैठक में सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि जनवरी से मई 2026 की अवधि में कुल 52,736 चालान किए गए तथा 2,882 वाहन सीज किए गए। इसी अवधि में परिवहन विभाग द्वारा 30,519 चालान किए गए तथा 2,110 वाहन सीज किए गए। पुलिस विभाग ने यह भी जानकारी दी कि नशे में वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाते हुए 158 चालान किए गए हैं। बैठक में बताया गया कि सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में तेज गति (ओवरस्पीडिंग) एवं शराब का सेवन कर वाहन संचालन शामिल हैं। इन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु सड़क सुरक्षा कोष से अल्कोमीटर क्रय कर परिवहन एवं पुलिस विभाग को उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे प्रवर्तन कार्यवाही और अधिक सुदृढ़ की जा सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी द्वारा परिवहन एवं पुलिस विभाग को ओवरलोडिंग,वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग,सीट बेल्ट का उपयोग न करना तथा ओवरस्पीडिंग के विरुद्ध कार्रवाई और अधिक सख्ती से करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सड़क दुर्घटना पीड़ितों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रदान किए जाने वाले मुआवजा एवं राहत प्रकरणों की समीक्षा भी की गई। अपर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि पात्र पीड़ितों एवं उनके आश्रितों को अनुमन्य सहायता एवं मुआवजा राशि समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जाए तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) को राष्ट्रीय राजमार्गों पर अतिक्रमण हटाने हेतु संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट्स पर परिवहन विभाग, पुलिस विभाग, NHAI एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा संयुक्त सर्वेक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

अपर जिलाधिकारी द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि आगामी जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में चिकित्सा विभाग के अधिकारियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए, जिससे सड़क दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित चिकित्सा सहायता, गोल्डन ऑवर प्रबंधन एवं आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं की प्रभावी समीक्षा की जा सके। बैठक में सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ सड़क सुरक्षा संबंधी जागरूकता कार्यक्रमों एवं प्रवर्तन कार्यवाहियों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए, जिससे जनपद में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

एक नजर

चारधाम यात्रा के लिए 2320 यात्रियों ने कराया पंजीकरण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार ऋषिकुल मैदान में बनाए गए यात्री पंजीकरण केंद्र में शनिवार को चारधाम यात्रा के लिए 2320 यात्रियों ने अपना पंजीकरण कराया। यमुनोत्री धाम के लिए 422, गंगोत्री धाम के लिए 449, केदारनाथ धाम के लिए 677, बद्रीनाथ धाम के लिए 732, हेमकुंड साहिब के लिए 40 यात्रियों ने अपना पंजीकरण कराया। इस तरह से राज्यों से आए यात्रियों द्वारा चारधाम के लिए अपना पंजीकरण कराया गया। ऋषिकुल मैदान यात्री पंजीकरण केंद्र से अब तक कुल 4 लाख 43 हजार 70 यात्रियों ने चारधाम यात्रा के लिए अपना पंजीकरण कराया है।

अधिशासी अभियंता से अभद्रता पर भड़के कर्मचारी, विकास कार्य ठप करने की चेतावनी

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता के घेराव और कथित अभद्रता की घटना के विरोध में विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने शनिवार को प्रदर्शन कर नाराजगी जताई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा ईई से अभद्रता मामले पर लोनिवि कर्मचारी, अधिकारी लामबंद हो गए हैं। कर्मचारियों ने मामले में उचित कार्रवाई नहीं होने पर जनपद के विकास कार्य ठप करने की चेतावनी दी है। प्रांतीय खंड कार्यालय परिसर में आयोजित आपात बैठक में अधिकारियों और कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि गुरुवार को कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कार्यालय पहुंचकर अधिशासी अभियंता का घेराव किया और उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। कर्मचारियों ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के साथ इस प्रकार का व्यवहार स्वीकार नहीं किया जा सकता। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि सोशल मीडिया और प्रचार पाने के उद्देश्य से अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ अभद्रता की जा रही है, जिसका विभागीय कर्मचारी पुरजोर विरोध करते हैं। उन्होंने घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बैठक में निर्णय लिया गया कि अगले तीन दिनों तक सभी अधिकारी और कर्मचारी बांह पर काला फीता बांधकर विरोध दर्ज कराएंगे। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर कर्मचारी संगठन चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि आवश्यकता पड़ने पर जनपद के विकास कार्य भी प्रभावित किए जा सकते हैं। बैठक में अधिशासी अभियंता हर्षित गुप्ता, कुंदन गिरी गोस्वामी, भुवन चंद्र जोशी, राजेंद्र प्रसाद टम्टा सहित विभाग के अधिकारी, अभियंता, कर्मचारी और विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

चार माह से बोर्ड बैठक न होने पर पार्षदों ने जताई नाराजगी, महापौर को सौंपा ज्ञापन

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। नगर निगम के पार्षदों ने बोर्ड बैठक नहीं बुलाए जाने पर नाराजगी जताते हुए महापौर और नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा है। पार्षदों का कहना है कि नगर निगम गठन के बाद अब तक केवल चार अधिवेशन हुए हैं और पिछले चार माह से कोई बोर्ड बैठक आयोजित नहीं की गई है, जिससे जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मामलों पर निर्णय नहीं हो पा रहे हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि नगर निगम की अंतिम बैठक 5 फरवरी 2026 को आयोजित हुई थी। पार्षदों ने उत्तराखंड-उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम का हवाला देते हुए कहा कि नियमानुसार निगम की बैठक प्रत्येक माह कम से कम एक बार आयोजित की जानी चाहिए, लेकिन चार माह बीत जाने के बाद भी बैठक नहीं बुलाई गई। पार्षदों ने आरोप लगाया कि बोर्ड बैठक नहीं होने से नगर की विभिन्न समस्याओं के समाधान में देरी हो रही है। उन्होंने नव निर्मित पार्किंगों के संचालन का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इनका संचालन जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है, जिससे नगर निगम की आय प्रभावित हो रही है। ज्ञापन में आगामी बरसात के मद्देनजर नालियों की सफाई, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में सुरक्षा उपाय, पेयजल व्यवस्था तथा निगम की आय बढ़ाने से जुड़े विषयों पर चर्चा और निर्णय के लिए विशेष बैठक बुलाने की मांग की गई है। पार्षदों ने नगर निगम अधिनियम के प्रावधानों के तहत 15 दिन के भीतर बैठक की तिथि घोषित करने की मांग की है। ज्ञापन पर भूपेंद्र जोशी, ज्ञानी पांडे, रोहित कार्की, तुलसी देवी, दीपक कुमार, रजनी टम्टा, नेहा टम्टा, वैभव पांडे, हेमचंद तिवारी, देवेश बिष्ट, इंतेकाम आलम कुरैशी, संजय जोशी, विजय भट्ट, मुकेश कुमार, दीपचंद जोशी समेत कई पार्षदों के हस्ताक्षर हैं।

कांवड़ मेले की तैयारियों की आयुक्त गढ़वाल ने की समीक्षा, भीड़ प्रबंधन और स्वच्छता पर रहा विशेष फोकस

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

आगामी कांवड़ मेले को सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर आयुक्त गढ़वाल मंडल आनन्द स्वरूप ने राज्य अतिथि गृह में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

बैठक में गढ़वाल कमिश्नर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि कांवड़ मेले में आने वाले शिवभक्तों को कोई परेशानी एवं कोई असुविधा न हो,इसके लिए जिस स्तर से जो भी तैयारियां एवं व्यवस्था की जानी है,वह सभी समय से पूर्ण कर ली जाएं।

कमिश्नर ने निर्देश दिए कि संवेदनशील एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाए तथा सभी आवश्यक संसाधनों की पूर्व व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, यातायात प्लान को बेहतर एवं सुव्यवस्थित ढंग से तैयार करने के निर्देश दिए गए, जिससे आवश्यक सेवाएं प्रभावित न हों तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने नगर निगम को निर्देश दिए है कि इस दौरान स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखें तथा इसके लिए बेहतर ढंग से कार्य योजना तैयार करते हुए, जिससे कि कचरा प्रबंधन का उचित निस्तारण किया जा सकें।

उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कांवड़ मेले के आयोजन में अब सीमित समय शेष है, अतः सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अपनी-अपनी तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करें। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि शिवभक्तों की संभावित बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। बैठक में नगर आयुक्त नंदन कुमार ने कांवड़ मेले के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के लिए की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई गई।

इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र ने प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा कांवड़ मेले को सुव्यवस्थित ढंग से संपादित कराने के लिए की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई गई। बैठक में एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह ने यातायात प्रबंधन एवं भीड़ प्रबंधन के संबंध में की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के बारे विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। बैठक में जल संस्थान,विद्युत विभाग एवं लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) सहित अन्य संबंधित विभागों द्वारा अपनी-अपनी तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

बैठक में अपर आयुक्त उत्तम सिंह चौहान, अपर जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट हर गिरी, उप मेलाधिकारी मंजीत सिंह, अधिशासी अभियंता जल संस्थान विपिन चौहान, विद्युत विभाग के दीपक सैनी, जल निगम के राजेश गुप्ता, लोनिवि योगेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कसार देवी मंदिर के दिन में कपाट बंद होने से श्रद्धालु मायूस, बिना दर्शन लौटे

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा।

विश्व प्रसिद्ध कसार देवी मंदिर में शनिवार को दिन के समय अचानक कपाट बंद होने से श्रद्धालुओं को भारी निराशा हुई। देश-विदेश से आए सैकड़ों पर्यटक और स्थानीय लोग बिना दर्शन किए ही वापस लौट गए। मंदिर के कपाट बंद होने के कारणों को लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है।?

बतादें कसार देवी मंदिर अपनी विशेष चुंबकीय शक्ति के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। नासा के वैज्ञानिक भी यहां की जियो-मैग्नेटिक फील्ड पर शोध कर चुके हैं। स्वामी विवेकानंद ने भी यहां ध्यान किया था। हर साल हजारों देशी-विदेशी पर्यटक यहां आते हैं।

श्रद्धालुओं ने जिला प्रशासन और मंदिर समिति से मांग की है कि मंदिर के खुलने-बंद होने का समय मुख्य द्वार पर स्पष्ट रूप से अंकित किया जाए और विशेष परिस्थितियों में पहले से सूचना दी जाए, ताकि दूर-दराज से आने वाले भक्तों को परेशानी न हो।प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं ने मुख्य द्वार पर ताला लगा पाया। इस दौरान देहरादून हरियाणा, हल्द्वानी, चंडीगढ़ राजस्थान, फिरोजाबाद,अमेरिका, जर्मनी, दिल्ली, मुंबई समेत कई जगहों से आए पर्यटक और स्थानीय ग्रामीण दर्शन के लिए कसार देवी मंदिर पहुंचे लेकिन कपाट बंद होने से कारण श्रद्धालु मायूस होकर वापस लौट गए। दिल्ली से आए श्रद्धालु रमेश जोशी ने बताया, 'हम खास तौर पर कसार देवी के दर्शन के लिए आए थे। लेकिन कपाट बंद होने के कारण माता के दर्शन नहीं हो पाए और नहीं सूचना बोर्ड तो लगा होना चाहिए था।' वहीं जर्मनी से आई एक विदेशी महिला पर्यटक ने कहा कि वह इस मंदिर की चुंबकीय शक्ति के बारे में सुनकर आई थी, लेकिन दर्शन न होने से निराशा हुई। स्थानीय निवासी ने कहा कि कसार देवी मंदिर सालभर खुला रहता है। कपाट बंद होने की परंपरा नहीं है। अचानक

कपाट बंद करने से भक्तों की आस्था को ठेस पहुंची है। मंदिर समिति को समय-सारिणी सार्वजनिक करनी चाहिए ताकि बाहर से आने वाले यात्रियों को परेशानी न हो।

इस संबंध में मंदिर समिति के सचिव से जब संपर्क करने की कोशिश की तो उनके मोबाइल रिचार्ज ना होने कारण उनसे संपर्क नहीं हो पाया वहीं जब मंदिर कमेटी के अध्यक्ष से संपर्क नहीं हो पाया उनकी पोती भूमिका ने अध्यक्ष का फोन रिसीव कर उन्होंने बताया कि दादाजी का स्वास्थ्य खराब है वे अस्पताल में हैं मैं उन्हीं के साथ अस्पताल में हूं मंदिर के कपाट बंद क्यों है मैं अभी इस विषय पर पूछता हूं। लेकिन फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया कि दिन में कपाट बंद क्यों थे।

एक नजर

मिशन 2027 में हरिद्वार ग्रामीण में नहीं दोहराएंगे गलती, करेंगे फतह

12 साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के तहत विशेष जनसंपर्क अभियान कार्यक्रम में रखें विचार

पथ प्रवाह, पथरी। हरिद्वार ग्रामीण सभा क्षेत्र के ग्राम शाहपुर शीतला खेड़ा में आयोजित विशेष जनसंपर्क अभियान में राज्यसभा सांसद डॉ कल्पना सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 12 सालों में किए गए कार्यों को बताया। उन्होंने कहा कि आज देश में कहीं भी चले जाओ सड़कों का जाल फैला दिया गया है, खेतों पर जाने के लिए भी पक्की सड़कें बन गई हैं। केंद्र की नीतियों से हर वर्ग खुश है और जनता प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने का काम करेगी। पथरी क्षेत्र के शाहपुर शीतला खेड़ा में भाजपा के मंडल भोगपुर पंचपुरी में विशेष जनसंपर्क अभियान कार्यक्रम में सरकारी सेवाओं में कार्यरत और सेवारत कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। जिसमें भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष स्वामी यतीश्वरानंद ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा के केंद्र और राज्य सरकारों ने किसान, मजदूर, व्यापारी के साथ 140 करोड़ की जनता के लिए हर संभव विकास कार्य किए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यूसीसी, नकल विरोधी कानून, सैकड़ो एकड़ भूमि कब्जा मुक्त कराने के साथ करीब 30 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी देने का ऐतिहासिक काम किया। वरिष्ठ नेता शेषराज सैनी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब हरिद्वार से भी मेट्रो चलेगी।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए तेजपाल सिंह ने मिशन 2027 में वह गलती न दोहराने के लिए कहा जोकि 2022 में की। कार्यक्रम समन्वयक लव शर्मा ने विचार रखे।

इस मौके पर धर्मेंद्र चौहान, हर्ष सैनी, संजय सरदार, ग्राम प्रधान दीपक सैनी, ऋषिपाल कश्यप, अंकित कश्यप, देवेंद्र चौहान, नरेश भगत, सरवन चौहान, तेजपाल, ललित सैनी, नीरज कश्यप, सोमपाल, शिवकुमार, डॉ योगेश सैनी, इसम सिंह चौहान, गुड्डी कश्यप, सरिता आदि शामिल हुए।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपित गिरफ्तार, हरिद्वार पुलिस की त्वरित कार्रवाई

पथ प्रवाह, हरिद्वार। महिला एवं बाल अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत भगवानपुर पुलिस ने नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को हिरासत में लेकर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भगवानपुर क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने 18 जून को कोतवाली भगवानपुर में तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसकी नाबालिग पुत्री के साथ ग्राम हलजौरा निवासी एक युवक ने दुष्कर्म किया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। मामले में कोतवाली भगवानपुर में धारा 61(1) बीएनएस तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 3(क)/4(2) के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, क्षेत्राधिकारी भगवानपुर एवं प्रभारी निरीक्षक भगवानपुर के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ कार्यवाही करते हुए उसका चालान कर दिया है।

मृतक निवेशकों के शेयर-बॉन्ड्स आसानी से वारिसों के नाम होंगे

मुंबई। सेबी बोर्ड ने मृतक निवेशकों के नाम पर मौजूद सिक्योरिटीज जैसे- शेयर्स और बॉन्ड्स को उनके कानूनी वारिसों और दावेदारों के नाम पर ट्रांसफर करने की प्रोसेस को आसान बनाने का फैसला किया है। इसके साथ ही रेगुलेटर ने फिजिकल और डीमैट फॉर्म में सिक्योरिटीज रखने वाले दावेदारों के लिए नई कैटेगरीज भी बनाई हैं। सेबी ने उन दावेदारों के लिए एक नई कैटेगरी बनाई है जहां फिजिकल फॉर्म में सिक्योरिटीज की वैल्यू प्रति शेयर 10,000 रुपए से ज्यादा नहीं है। वहीं डीमैट फॉर्म में रखी सिक्योरिटीज के लिए यह लिमिट प्रति शेयर 30,000 रुपए तय की गई है। सेबी ने साफ किया है कि चूंकि सिक्योरिटीज का ट्रांसमिशन डीमैट अकाउंट में किया जाएगा, जिसके लिए अकाउंट खोलते समय पैन देना पहले से ही जरूरी होता है। इसलिए अब ट्रांसमिशन के समय अलग से पैन सबमिट करने की जरूरत नहीं होगी। रेगुलेटरी अथॉरिटी ने स्मॉल-वैल्यू क्लेम के अमाउंट को दोगुना कर दिया है। अब फिजिकल शेयर्स के लिए यह सीमा बढ़कर 10 लाख रुपए प्रति शेयर और डीमैट शेयर्स के लिए 30 लाख रुपए प्रति शेयर हो गई है। इसके अलावा बोर्ड ने कई ऐसे उपायों को मंजूरी दी है, जिससे कागजी औपचारिकताएं यानी प्रोसीजरल रिक्वायरमेंट्स कम होंगी और ट्रांसमिशन प्रोसेस आसान होगी।

कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को लेकर मंडलायुक्त ने किया स्थलीय निरीक्षण, तेजी लाने के दिये निर्देश

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के तहत हरिद्वार में संचालित विभिन्न अवस्थापना विकास कार्यों की प्रगति की विभिन्न स्तरों पर निरंतर समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में आयुक्त गढ़वाल मंडल श्री आनंद स्वरूप ने शनिवार को हरिद्वार का भ्रमण कर कुंभ मेला से संबंधित विभिन्न निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्धता की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंडलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कुंभ मेला-2027 से जुड़े सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि के भीतर अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के निर्धारित मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और थर्ड पार्टी से गुणवत्ता की जांच भी कराई जाए। निरीक्षण अथवा जांच के दौरान यदि किसी प्रकार की कमी सामने आती है तो उसे तत्काल दूर किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कुंभ मेला जैसे महत्वपूर्ण आयोजन से जुड़े कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करें कि श्रद्धालुओं एवं आमजन को बेहतर एवं सुव्यवस्थित सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। मंडलायुक्त आनंद स्वरूप ने भ्रमण के दौरान बैरागी कैंप क्षेत्र में आगामी कुंभ मेला के दौरान स्थापित होने वाले शिविरों के लिए पेयजल व्यवस्था से संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने बैरागी कैंप में 526.81 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन 1500 किलोलीटर क्षमता के ओवरहेड टैंक, दो ट्यूबवेल एवं पंप हाउस निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कुंभ मेला के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं एवं संत समाज के लिए पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण कर ली जाएं।

इसके उपरांत मंडलायुक्त ने बजरीवाला क्षेत्र में ट्यूबवेल स्थापना कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति को लेकर किए जा रहे कार्यों की जानकारी लेते हुए अस्थाई पेयजल लाइनों के बिछाने की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत एवं सुचारु बनाए रखने के लिए सभी कार्य निर्धारित योजना के अनुसार पूरे किए जाएं।

मंडलायुक्त ने दक्षद्वीप क्षेत्र में निर्माणाधीन पुल एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स से बनाई जा रही सड़क के कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही दक्षद्वीप क्षेत्र में प्रस्तावित अस्थाई पार्किंग व्यवस्था का भी जायजा लिया और अधिकारियों से पार्किंग स्थल की तैयारियों एवं सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कुंभ मेला-2027 के दौरान यातायात व्यवस्था, श्रद्धालुओं के आवागमन, पेयजल, पार्किंग, सड़क, पुल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि कुंभ जैसे विशाल आयोजन के लिए प्रत्येक छोटी-बड़ी व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मंडलायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा करते रहें और कार्यों की प्रगति में आने वाली किसी भी बाधा का तत्काल समाधान सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त उत्तम सिंह चौहान, उप मेलाधिकारी मनजीत सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ताड़ीखेत में बहुउद्देशीय शिविर, लोगों की समस्याओं का हुआ निस्तारण

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा।

'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम के तहत विकासखंड ताड़ीखेत के सभागार में 'प्रशासन गांव की ओर' बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल और तहसीलदार दीपिका आर्या ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोगों की समस्याएं सुनीं तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र लोगों को लाभान्वित किया गया। विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का समाधान उनके क्षेत्र में ही करना है, ताकि लोगों को विभिन्न विभागों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने बताया कि पूर्व में आयोजित शिविरों में जिन शिकायतों का समाधान नहीं हो पाया था, उनके निस्तारण के लिए पुनः बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया गया है। उन्होंने शिविर में पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा। कार्यक्रम में तहसीलदार दीपिका आर्या, नायब तहसीलदार राजेंद्र सिंह अधिकारी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी दीप जोशी, पेशकार संतोष उपाध्याय, क्षेत्र पंचायत सदस्य विमला रावत, महेंद्र सिंह फर्त्याल, जिला महामंत्री ध्यान सिंह नेगी, मंडल अध्यक्ष मुकेश पांडे, प्रमोद रावत, प्रकाश खाती, रमेश सिंह खनायत सहित जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

विदेश भागने की फिराक में धोखाधड़ी का आरोपी अमृतसर एयरपोर्ट से गिरफ्तार

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी।

पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में संचालित 'ऑपरेशन प्रहार' के अंतर्गत कोतवाली उत्तरकाशी पुलिस ने विदेश भेजने एवं वीजा दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले वांछित अभियुक्त को अमृतसर एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है।

मार्च 2026 में एक व्यक्ति से विदेश भेजने व वीजा दिलाने के नाम पर ?3.20 लाख की धोखाधड़ी किए जाने संबंधी शिकायत पर अभियुक्त जसप्रीत सिंह निवासी बरनाला, पंजाब के विरुद्ध धारा 318(4) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान अभियुक्त को 35(3) का नोटिस तामील किए जाने के बावजूद वह पुलिस जांच में सहयोग नहीं कर रहा था।

पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी, जनक सिंह पंवार के पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली दिनेश कुमार के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा लगातार प्रयास किए गए। तकनीकी एवं सर्विलांस माध्यमों से जानकारी मिलने पर अभियुक्त के विदेश भागने की आशंका को देखते हुए उसके विरुद्ध लुक आउट नोटिस जारी कराया गया। बीती 18 जून 2026 को अभियुक्त विदेश जाने के उद्देश्य से अमृतसर एयरपोर्ट पहुंचा, जहां लुक आउट नोटिस के आधार पर उसकी पहचान कर रोका गया तथा उत्तरकाशी पुलिस को सूचना दी गई। तत्पश्चात कोतवाली उत्तरकाशी पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त जसप्रीत को गिरफ्तार कर न्यायालय में

प्रस्तुत किया, जहां से अभियुक्त को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

फैक्टरी में लूट की कोशिश करने वाले तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जनपद के बुग्गावाला क्षेत्र स्थित बंद पड़ी बायोडीजल फैक्ट्री में चौकीदार को गोली मारकर लूट की वारदात को अंजाम देने की कोशिश करने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मामले में शामिल तीन और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह द्वारा तीनों आरोपियों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

थाना बुग्गावाला पुलिस के अनुसार 9 जून को अमानतगढ़ क्षेत्र स्थित बंद पड़ी बायोडीजल फैक्ट्री में कुछ बदमाश बड़ी चोरी की नीयत से घुसे थे। फैक्ट्री के चौकीदार ने साहस दिखाते हुए उनके मंसूबों को नाकाम करने का प्रयास किया, जिस पर खुद को घिरता देख बदमाशों ने उस पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से चौकीदार गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद बुग्गावाला थाना पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। जांच के दौरान पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हुई, जिसमें एक आरोपी लुकमान को गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया था। लुकमान से हुई पूछताछ में पुलिस को पूरे गिरोह और वारदात की साजिश के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

घटना से क्षेत्र में फैले भय को देखते हुए एसएसपी नवनीत सिंह ने मामले के शीघ्र खुलासे के निर्देश दिए। इसके बाद बुग्गावाला थाना पुलिस और सीआईयू की संयुक्त टीम ने तकनीकी एवं मैनुअल पुलिसिंग का सहारा लेते हुए फैक्ट्री की ओर आने-जाने वाले दुर्गम मार्गों पर लगातार निगरानी रखी। कई दिनों की मेहनत और सटीक सूचना तंत्र के आधार पर पुलिस ने यूपी बॉर्डर से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संजय पुत्र स्व. चंदू निवासी यमुनानगर (हरियाणा), जोगिंदर उर्फ जोगा पुत्र पूरणचंद निवासी यमुनानगर (हरियाणा) तथा नसीम पुत्र स्व. बुंदू मिस्त्री निवासी बंदरजूड़, थाना बुग्गावाला, जनपद हरिद्वार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त एक 315 बोर तमंचा, एक खोखा कारतूस तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पूछताछ में सामने आया कि गिरोह ने फैक्ट्री की कई दिनों तक रेकी की थी और मौके की तलाश में था। सही अवसर मिलते ही उन्होंने वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई थी। जांच में यह भी पता चला है कि गिरोह के सदस्य उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में चोरी, लूट और डकैती जैसी कई वारदातों में शामिल रहे हैं। गिरफ्तार आरोपी जोगिंदर उर्फ जोगा के खिलाफ विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, डकैती, चोरी और विद्युत अधिनियम से संबंधित कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।

एक नजर

पासपोर्ट सत्यापन में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर उत्तराखण्ड पुलिस को राष्ट्रीय सम्मान

पथ प्रवाह, देहरादून। उत्तराखण्ड पुलिस को वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान पासपोर्ट आवेदनों के सत्यापन में उत्कृष्ट एवं प्रभावी कार्य निष्पादन के लिए भारत सरकार द्वारा 'Institutional Performance Award for State Police' से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान देशभर में पासपोर्ट आवेदनों के पुलिस सत्यापन संबंधी प्रदर्शन के आधार पर प्रदान किया गया।

नई दिल्ली स्थित विदेश मंत्रालय के जवाहरलाल नेहरू भवन में शुक्रवार को आयोजित समारोह में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर द्वारा उत्तराखण्ड पुलिस की ओर से ए.पी. अंशुमान, अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन को यह सम्मान प्रदान किया गया। पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने बताया कि यह सम्मान उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा पासपोर्ट सत्यापन प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने हेतु किए गए सतत प्रयासों का परिणाम है। मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड, पुष्कर सिंह धामी ने इस उपलब्धि के लिए उत्तराखण्ड पुलिस को बधाई देते हुए कहा कि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह उपलब्धि उसी दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सफलता का प्रतीक है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी उत्तराखण्ड पुलिस नागरिक सेवाओं के क्षेत्र में इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का गौरव बढ़ाती रहेगी।

खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन कार्यालय रोशनाबाद स्थानांतरित

पथ प्रवाह, हरिद्वार। सहायक आयुक्त/अभिहित अधिकारी, खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन महिमानन्द जोशी ने बताया कि कार्यालय आयुक्त, खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तराखण्ड, देहरादून के आदेश के क्रम में जनपदीय कार्यालय को नवीन स्थान पर स्थानांतरित करने के निर्देश प्राप्त हुए थे।

उक्त निर्देशों के अनुपालन में दिनांक 19 जून 2026 को खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन, हरिद्वार के जनपदीय कार्यालय को एस-506, निकट अटल वाटिका चौक, बहादराबाद रोड, शिवालिक नगर, हरिद्वार से स्थानांतरित करते हुए एनएम ट्रेनिंग सेंटर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एस्टेट) कार्यालय के पीछे, रोशनाबाद, हरिद्वार परिसर में स्थापित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि कार्यालय अब नवीन पते से ही संचालित किया जा रहा है। उन्होंने समस्त संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन से अनुरोध किया है कि भविष्य में विभागीय कार्य हेतु नवीन पते पर ही संपर्क करें।

गैंगबाजी और रील बाजी पर हरिद्वार पुलिस कसेगी शिकंजा, एसएसपी ने दिये सख्त निर्देश

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जनपद में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह की अध्यक्षता में पुलिस कार्यालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में मई माह की अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में एसपी क्राइम/ट्रैफिक, एसपी सिटी, एसपी देहात समेत सभी क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान मई माह में घटित अपराधों, उनके खुलासों, लंबित विवेचनाओं, चारधाम यात्रा, सड़क सुरक्षा और आगामी कांवड़ यात्रा की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। एसएसपी ने हाल ही में सामने आए बच्चा चोरी के तीनों चर्चित मामलों कनखल, कलियर और सिटी हरिद्वार के सफल खुलासे और बच्चों की सकुशल बरामदगी पर पुलिस टीमों की सराहना करते हुए उनकी पीठ थपथपाई। एसएसपी नवनीत सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कम उम्र के युवाओं द्वारा गैंग बनाकर किए जा रहे उत्पात पर विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि 20 से 22 वर्ष की आयु के युवकों द्वारा बनाई जा रही तथाकथित गैंगों पर थाना प्रभारी फोकस करें और उन्हें अपराध की राह से हटाकर सही दिशा देने का प्रयास करें। सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों के साथ रील बनाकर धौंस जमाने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों को चिन्हित कर कानून के दायरे में लाया जाए ताकि समाज का माहौल खराब न हो। बैठक में आगामी कांवड़ यात्रा की तैयारियों को समय से पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया। एसएसपी ने सभी अधिकारियों को आवश्यक निर्माण, मरम्मत कार्यों तथा उपकरणों की मांग समय रहते भेजने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यालय स्तर से चलाए जा रहे अभियानों में और अधिक सक्रियता दिखाने की अपेक्षा जताई। सोमवती अमावस्या स्नान पर्व को सकुशल संपन्न कराने में पुलिस कर्मियों की भूमिका की भी सराहना की गई। एसएसपी ने कहा कि पुलिस मुख्यालय स्तर पर भी हरिद्वार पुलिस के कार्यों की प्रशंसा हुई है। बैठक में डायल-112 से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण, ऑनलाइन शिकायतों को गंभीरता से लेने, महिला अपराधों में पीड़िताओं से सीधे संवाद स्थापित करने, स्कूलों के आसपास पुलिस उपस्थिति बढ़ाने तथा बैंक, सर्राफा बाजार और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में नियमित औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण, सत्यापन अभियान में तेजी लाने और वांछित अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने पर भी जोर दिया गया। एसएसपी ने कहा कि अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय अपराध को होने से रोकना पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए। पुलिस अधिकारियों को क्षेत्र में लगातार चेकिंग अभियान चलाने और कानून हाथ में लेने वाले तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

तीर्थ नगरी हरिद्वार को स्वच्छ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए पंतद्वीप में चलाया गया अभियान

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

तीर्थ नगरी हरिद्वार की स्वच्छता, सुंदरता एवं व्यवस्थित स्वरूप को बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में जनपद में स्वच्छता अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन के उपरांत उत्पन्न हुई गंदगी को तत्काल हटाने के लिए पंतद्वीप मैदान एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर सफाई अभियान चलाया गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी/संयोजक स्वच्छता अभियान मीरा रावत ने अवगत कराया है जिलाधिकारी के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में जनपद में सफाई अभियान निरंतर चलाया जा रहा है, सोमवती अमावस्या के अवसर पर हुई गंदगी को साफ करने के लिए आज 20 जून एवं 21 जून को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है,इस अभियान को सफलता बनाने के लिए सभी की सहभागिता के लिए जिलाधिकारी ने सभी सामाजिक संगठनों,स्वयंसेवी संस्थाओं ,धार्मिक संस्थानों,सभी सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं,संत समाज,व्यापार मंडल,पत्रकार बंधुओं, जनप्रतिनिधियों, उद्योगिग इकाइयों, एवं आमजनमानस से इस अभियान में शामिल होकर सहयोग करने की अपील की गई है, जिससे कि जनपद हरिद्वार को साफ स्वच्छ एव सुंदर बनाया जा सके। इस अभियान के

दौरान पंतद्वीप मैदान एवं आसपास के क्षेत्रों में फैले कूड़े-करकट को हटाकर पूरे क्षेत्र को साफ-सुथरा एवं व्यवस्थित बनाया गया। इस कार्य में आपदा प्रबंधन विभाग, जल निगम, नगर निगम एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई और श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर उप नगर आयुक्त दीपक गोस्वामी,अधिशासी अभियंता जल संस्थान राजेश गुप्ता, सफाई निरीक्षक संजय शर्मा सहित नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाइट- www.pathpravah.com